ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-12-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-12-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-12-02	2023-12-03	2023-12-04	2023-12-05	2023-12-06
वर्षा (मिमी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	26.7	25.4	24.6	24.5	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.1	12.2	12.0	11.1	10.6
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	48	37	34	30	26
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	29	26	24	22	18
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	18	15	13	13	13
पवन दिशा (डिग्री)	27	32	27	32	45
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 24.0 से 26.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 10.0 से 13.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

जिन किसानों नें गेहूं की बुवाई अभी तक नही की है जल्द से जल्द उन्नत किस्मों की बुवाई करें तथा बीज को कार्बनडेजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाई सरसों, चना, मेथी आदि फसलों और सब्जियों में खरपतवार नियंत्रण के लिए निराई-गुड़ाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूं की फसल की राज 1482,राज 3077, राज 3765, राज 3777, राज 4037, राज 4083, पी बी डब्ल्यू 590, जी डब्ल्यू 11 एंव के आर एल 213 उन्नत किस्मों की बुवाई करें। गेहूं की बुवाई के लिए बीज की मात्रा 100

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरको की मात्रा 60, 40 व 20 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर होनी चाहिएं। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफॉस 20 ईसी 5 लीटर प्रति हैक्टर की दर से पलेवा के साथ दें।
रेंड़ी	मौसम की परिस्थितियाँ अनुकूल होने के कारण अरंडी की फसल में सफ़ेद मक्खी का तीव्र प्रकोप होने की संभावना हैं अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि कीट के प्रभावी नियंत्रण के लिये पीले चिपकने वाले ट्रैप का प्रयोग करें तथा कीट की संख्या आर्थिक देहली स्तर से अधिक होने के पर ट्रा ईजोफ़ॉ जों स 2.5 मिलीलीटर /लीटर पानी की दर से साफ़ मौसम में छिड़काव करें ।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है। बुवाई हेतु आर.जेड-19, आर.जेड-209, जी.सी-4 व आर.जेड-223 उन्नत किस्में है। बीज की मात्रा 12-15 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। बुवाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम या 4 ग्राम टाईकोडरमा विरिडी से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।
जीरा	जीरे की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडामेथालिन 1 किलो सक्रिय तत्व (4.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में) प्रति हेक्टयर की दर से बुवाई के बाद तथा अंकुरण से पहले प्रयोग करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	नवजात पशुओं को सर्दी से बचाने का विशेष ध्यान रखें तथा रात के समय नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे ।